

B.Ed. 1st year

Subject :- Teaching of social scienceTopic :- Difference between Essay type and objective type test:- निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में अंतर

क्र. सं.	निबन्धात्मक परीक्षण	वस्तुनिष्ठ परीक्षण
1.	निबन्धात्मक परीक्षण की रचना सरल होती है और रचना में कम समय लगता है।	वस्तुनिष्ठ परीक्षण की रचना एक कठिन कार्य है जिसमें धन और शक्ति अधिक लगती है।
2.	इस प्रकार के परीक्षण में सीमित विषय-वस्तु से प्रश्न होते हैं।	इस प्रकार के परीक्षण में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न बनोर जाते हैं।
3.	इस परीक्षण में फलान्कन करना कठिन कार्य है।	इस परीक्षण में फलान्कन कार्य सरल एवं किसी व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है।
4.	इस परीक्षण का निश्चित उत्तर नहीं होता है।	इस प्रकार के परीक्षण का निश्चित उत्तर होता है।
5.	इस प्रकार के परीक्षण में प्रश्नों की संख्या कम होती है।	इसमें प्रश्नों की संख्या अपेक्षाकृत बहुत अधिक होती है।
6.	इस प्रकार के परीक्षण उपलब्धि मापन, चयन और वर्गीकरण के लिए उपयुक्त होते हैं।	इस प्रकार के परीक्षण द्वारा निष्पादन, बुद्धि और अभिसमता के मापन हेतु सहायक होते हैं।

P.T.O.

निबन्धात्मक परीक्षण

7. इस प्रकार के परीक्षणों में आका और सुलेख को अधिक महत्त्व दिया जाता है।
8. इस प्रकार के परीक्षणों में निबन्धात्मक प्रश्न सम्मिलित होते हैं।
9. इनमें प्रशासन के कोई विशेष निर्देश नहीं होते हैं।
10. इनमें अनुमान के आधार पर परीक्षार्थी उत्तर नहीं लिख पाता।
11. इस प्रकार के परीक्षणों के मूल्यांकन पर परीक्षक के मूड का प्रभाव पड़ता है।
12. इन परीक्षणों में वस्तुनिष्ठता का अभाव होता है।
13. ये परीक्षण कम विश्वसनीय होते हैं।
14. इन परीक्षणों की वैधता संदेहपूर्ण होती है।
15. इन परीक्षणों के मानक नहीं होते हैं तथा इनके मानक तैयार करना कठिन होता है।
16. इन परीक्षणों द्वारा रटने की शक्ति पर बल दिया जाता है।

वस्तुनिष्ठ परीक्षण

- इस प्रकार के परीक्षणों में आका और सुलेख को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता है और इनमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न होते हैं।
- इनके प्रशासन हेतु विशेष निर्देश तथा प्रशासन कठिन होते हैं।
- इनमें अनुमान के आधार पर परीक्षार्थी उत्तर लिख पाता है।
- इस प्रकार के परीक्षणों के मूल्यांकन पर परीक्षक के मूड का प्रभाव नगण्य पड़ता है।
- ये परीक्षण पूर्णतः वस्तुनिष्ठ होते हैं।
- इन परीक्षणों में पर्याप्त विश्वसनीयता पाई जाती है।
- इन परीक्षणों की वैधता अधिक होती है।
- इन परीक्षणों के मानक हो सकते हैं तथा इनका मानक तैयार करना सरल होता है।
- इन परीक्षणों द्वारा रटने की शक्ति पर बल नहीं दिया जाता है।